No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-2

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

10236

जून, 2017

एम.एच.डी.-2 : आधुनिक हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** काव्यांशों की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) तुम सत्य रहे चिर सुन्दर !
मेरे इस मिथ्या जग के
थे केवल जीवन-संगी
कल्याण कलित इस मग के ।

(ख) विफल जीवन व्यर्थ बहा, बहा
सरस दो पद भी न हुए हहा !
कठिन है कविते, तुम भूमि ही,
पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा ।

(ग) देर तक टकराए
उस दिन इन आँखों से वे पैर
भूल नहीं पाऊँगा फटी बिवाइयाँ
खुब गई दूधिया निगाहों में
धँस गई कुसुम-कोमल मन में ।

(घ) वह रहस्यमय व्यक्ति
अब तक न पायी गई मेरी अभिव्यक्ति है,
पूर्ण अवस्था वह
निज-सम्भावनाओं, निहित प्रभाओं, प्रतिभाव की
मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव,
हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह,
आत्मा की प्रतिमा ।

(ङ) हँसो पर चुटकलों से बचो

उनमें शब्द हैं

कहीं उनमें अर्थ न हों जो किसी ने

सौ साल पहले दिए हों

बेहतर है कि जब कोई बात करो तब हँसो

ताकि किसी बात का कोई मतलब न रहे ।

2. भारतेन्दु की भक्तिपरक और शृंगारपरक कविताओं का विश्लेषण कीजिए । *16*

अथवा

राष्ट्रीय नवजागरण की अभिव्यक्ति मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में किस प्रकार हुई है ? स्पष्ट कीजिए ।

3. 'उर्वशी' में व्यक्त दिनकर के विचारों को स्पष्ट कीजिए । *16*

अथवा

सुमित्रानंदन पंत की काव्य भाषा का वैशिष्ट्य उद्‌घाटित कीजिए ।

4. हिन्दी कविता में निराला की प्रयोगशीलता के विभिन्न पक्षों की चर्चा कीजिए । *16*

अथवा

महादेवी वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त रहस्यवाद के स्वरूप को रेखांकित कीजिए ।

5. जनकवि के रूप में नागार्जुन का मूल्यांकन कीजिए । *16*

अथवा

शमशेर की काव्य-संवेदना पर विचार कीजिए ।